परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्थान

Atomic Energy Education Society

Session – 2023-24

Class: 5 पाठ -2 Subject: HINDI

Name of the Topic- फ़सलों का त्योहार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1.प्रश्नों के सही विकल्प पर सही (/) का निशान लगाइए ।

(i)किस स्थान का तिलकुट प्रसिद्ध है ?

(क) मनेर का (ख) बड़हिया का (ग) गया का (घ) सिलाव का

(ii)देशभर में फसलों से जुड़े त्योहार कब मनाए जाते हैं ?

(क) फरवरी और मार्च में (ख) जनवरी से अप्रैल तक (ग) नवंबर और दिसंबर में

(घ) जुलाई से सितंबर तक

(iii) सरहुल का जश्न कितने दिनों तक चलता है ?

(क) दो दिनों तक (ख) तीन दिनों तक (ग) पाँच दिनों तक (घ) चार दिनों तक

(iv) पोंगल बनाते समय मटके के मुँह के चारों ओर ऊपर क्या बाँधा जाता है ?

(क) साबुत हल्दी (ख) साबुत अदरक (ग) गेहूँ की बालियाँ (घ) इनमें से कोई नहीं

(v) पाठ में किस ऋतु के त्योहार का वर्णन है ?

(क) सर्दी (ख) गर्मी (ग) वर्षा (घ) बसन्त

(vi) तमिलनाडु में खिचड़ी का त्योहार किस नाम से मनाया जाता है ?

(क) खिचड़ी (ख) सरहुल (ग) पोंगल (घ) मकर संक्रांति

(vii)'सरहुल' क्या है ?

(क) नृत्य (ग) त्योहार (ख) अन्न (घ) जन्म दिवस

(viii) गुजरात में पतंगें किस त्योहार पर उड़ाई जाती हैं?

(क) दीवाली (ख) होली (ग) मकर संक्रांति (घ) दशहरा

2.सही कथन के सामने सही ( ) तथा गलत कथन के सामने गलत (x) का निशान लगाइए-

i)जनवरी के मध्य में भारत के लगभग सभी प्रांतों में फसलों से जुड़े सभी त्योहार नहीं मनाए जाते हैं। _____

(ii) सरहुल के अवसर पर तीसरे दिन कानों में सरई का फूल पहना जाता है।_____

(iii) पोंगल बनाने के लिए मटके को धूप में रखा जाता है|____

(iv) गुजरात में मकर संक्रांति के दिन पतंगों से आसमान ढक - सा जाता है|____

Edit with WPS Office

(v) मकर-संक्रांति के दिन पानी में तिल डालकर दान किया जाता है ।_____

(vi) मचिया पर खादी की काली साड़ी पहने हुए दादी बैठी थी ।_____

3. त्योहार से जुड़ी सही वस्तु का मिलान कीजिए ।

(i) मकर-संक्रांति	(क) पकवानों की माला
(ii) पोंगल	(ख) सरई
(iii) घुघुतिया	(ग) पतंग
(iv) सरहुल	(घ) साबुत हल्दी

4. गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

सरहुल के दिन विशेष रूप से 'साल' के पेड़ की पूजा की जाती है | यही समय है जब साल के पेड़ों में फूल आने लगते हैं और मौसम बहुत ही खुशनुमा हो जाता है। स्त्री-पुरुष दोनों ही ढोल-मंजीरे लेकर रातभर नाचते-गाते हैं। चारों ओर फैली हुई छोटी-छोटी घाटियाँ, लंबे-लंबे साल के वृक्षों का जंगल और वहीं आस-पास बसे छोटे-छोटे गाँव | लिपे-पुते, करीने से बुहारे और सजाए गए अपने घरों के सामने लोग एक पंक्ति में कमर में बाँहें डालकर नृत्य करते हैं। अगले दिन वे नृत्य करते हुए घर-घर जाते है और फूलों के पौधें लगाते है|

i)सरहुल में नाचने-गाने के दौरान क्या वाद्य यंत्र प्रयोग में लाए जाते हैं?

_____

ii)सरहुल में लोगों के घर किस प्रकार के दिखते हैं?

_____

(iii) सरहुल में घरों के सामने लोग किस प्रकार से नृत्य करते हैं?

_____

(iv) सरहुल में पौधा रोपण को किस प्रकार बढ़ावा दिया जाता है ?

_____

(v) सरहुल के दिन किस पेड़ की पूजा की जाती है?

_____

5.दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

i) लेखक के घर खिचड़ी के त्योहार पर क्या-क्या किया जा रहा था?

_____
_____

ii).मकर संक्रांति के दिन किस प्रांत में पतंगों को सर्वाधिक महत्व दिया जाता है ?

_____
_____

iii)भारत के अधिकतर त्योहार किनसे जुड़े हैं और क्यो ?

Edit with WPS Office

_____
_____

iv)पोंगल के दिन क्या-क्या किया जाता है? दो-तीन पंक्तियों में लिखो|

_____
_____
_____

v)कुमाऊँ में मकर संक्रांति का दिन किस प्रकार मनाया जाता है?

_____
_____
_____

6. निम्नलिखित वाक्यों को हिंदी में बदलकर लिखिए-

- केरा के पत्ता आइल की ना?
- _____
- बोल जल्दी तैयार होखस ।
- _____
- खिचड़ी में अइसन ठाड़ हम पहिले कब्बो ना देख नी सारा देह कनकना दे तो!
- _____

7. दिए गए गद्यांश में से संज्ञा के भेदों के आधार पर संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए | स्कूल में हम जो खिचड़ी मनाते थे उसकी अलग ही मस्ती हुआ करती थी । छुट्टी का दिन, नाव में बैठकर गंगा नदी की सैर और फिर टापू पर बालू में दौड़ते हुए पतंग उड़ाना या उड़ाने की कोशिश करना। कितना मज़ा आता था। इधर हम पतंग उड़ाते थे और वहीं थोड़ी दूर पर गुरुजी, विमला दिद्दा, आनंद जी, झिलमिट भैया सब मिलकर ईंट से बने चूल्हे पर बड़े-बड़े कड़ाहों में खिचड़ी बनाते थे। हम भी बीच-बीच में अपनी पतंगों को सुस्ताने का मौका देते हुए मटर और प्याज छीलने बैठ जाते। वैसी खिचड़ी फिर दुबारा खाने को नहीं मिली। वाकई, ढंग कैसा भी हो, पर है ये खुशियों का त्योहार ।

(i) व्यक्तिवाचक संज्ञा

_____
_____

(ii) जातिवाचक संज्ञा

_____
_____

(iii) भाववाचक संज्ञा

_____
_____

8. विलोम शब्द लिखो-

Edit with WPS Office

(i) अंतx

(ii) गिरनेx

(iii) स्त्रीx

(iv) शुभx

(v) अधूराx

9. इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए।

i) यदि हमारे जीवन में त्योहार न हों, तो हमारा जीवन कैसा हो जाएगा ? त्योहारों का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है?

_____
_____
_____
_____
_____
_____
_____
_____
_____

ii) तुम्हें कौन-सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है और क्यों? इस दिन तुम्हारी दिनचर्या क्या रहती है?

_____
_____
_____
_____
_____
_____
_____
_____
_____

10) सुलेख

बिशन दौड़कर बक्सा ले आया|कर्नल दत्ता ने तीतर के पैरों का ज़ख़्म साफ़ किया | फिर दवाई लगा दी | पंख को फैलाकर टेप लगा दिया ताकि वह ज़्यादा हिले-डुले नहीं । फिर उन्होंने बिशन से कहा, "बिशन, अगर तुम इसे गेंदे के पत्तों का रस दिन में दो-तीन बार पिलाओगे तो यह जल्दी ठीक हो जाएगा ।"तब तक बहूजी एक कटोरी में दलिया ले आईं और तीतर को दलिया खिलाते हुए बोलीं, "इसे रोज़ दलिया भी खिलाना बिशन, तीतर को दलिया बहुत पसंद होता है।"

_____
_____
_____
_____
_____

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office